हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, बुधवार, 26 फरवरी 2025

12 तोशाम हलका मेरा परिवार, विकास के क्षेत्र में अव्वल ...

12 खेलों में नए कीर्तिमान स्थापित कर पहचान...

GOPAL Opticals & Eye Care Centre

Available Facilities:-
- Computerised Eye Check up
- Cataract Surgery
- Lasik Surgery • Yag Laser
- Glaucoma • Cornea Clinic
- Contact Lens Clinic
- Vision Therapy
- Oculoplasty Service
- Spectacle & Repairing

गरज उठे गगन सारा समंदर छोड़े,
अपना किनारा हिल जाए जहान सारा
जब गूंजे महादेव का नारा।

आप सभी को
महाशिवरात्री
की हार्दिक शुभकामनाएं

Shop No. 10, Opposite Crown Plaza, Bhiwani, Haryana-127021 98967776999

खबर संक्षेप

युवक को दो अवैध देशी पिस्तौल सहित दबोचा

तोशाम। सीआईए वन द्वारा एक युवक को दो अवैध देशी पिस्तौल के साथ गिफ्तार किया गया। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि बिजेन्द्र निवासी गुढ़ा जिला भिवानी के पास अवैध देशी पिस्तौल है। सीआईए वन भिवानी की टीम ने तुरंत कार्रवाई की। मौके पर पहुंचने पर पुलिस ने एक युवक को रोका। पूछताछ में उसने अपना नाम बिजेन्द्र बताया। पुलिस ने बिजेन्द्र की तलाशी ली तो उसकी पैंट की दाईं जेब से एक देशी पिस्तौल और बाईं जेब से दूसरी देशी पिस्तौल बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके मामला दर्ज कर लिया।

नोजल चोरी के आरोपी को किया गिरफ्तार

भिवानी। थाना बहल पुलिस ने गांव ओबरा में खेतों से मिनी नोजल चोरी करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। देवेंद्र निवासी ओबरा ने थाना बहल पुलिस को नोजल चोरी होने के बारे में शिकायत दर्ज करवाई थी। आरोपी की पहचान संदीप निवासी ओबरा जिला भिवानी के रूप में हुई है। पुलिस टीम के द्वारा आरोपी को पुलिस रिमांड पर लेकर चोरी की गई 240 मिनी नोजल बरामद की गई है।

अवैध खनन : डेढ़ माह में 11 वाहन पकड़ेः डीसी

भिवानी। उपायुक्त महावीर कौशिक ने कहा कि जिले में अवैध खनन किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अवैध खनन की नियमित रूप से रिपोर्ट भेजे। उपायुक्त अवैध खनन विषय के दृष्टिगत लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हाल में अधिकारियों की बैठक में आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे थे। उन्होंने बताया खनन विभाग द्वारा अवैध खनन के मामले में गत जनवरी माह से अब तक 11 वाहनों को पकड़ा गया है और उन पर दो लाख 15 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

नगराधीश ने समाधान शिविर में सुनी शिकायतें

भिवानी। उपायुक्त महावीर कौशिक के मार्गदर्शन में नगराधीश अनिल कुमार ने मंगलवार को लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हाल में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनी। उन्होंने समाधान शिविर में आई शिकायतों का संबंधित अधिकारियों को समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाली प्रत्येक शिकायत को प्राथमिकता के साथ निपटाए।

वर्कर्स और लाभार्थियों में ओटीपी को लेकर होती है रार

आंगनबाड़ी वर्कर्स-हेल्पर्स ने पोषण ट्रैकर एप बंद करवाने को लेकर किया प्रदर्शन

■ न्यूनतम वेतन 26 हजार तथा आंगनवाड़ी वर्कर्स को तृतीय श्रेणी एवं हेल्पर्स को चतुर्थ श्रेणी का दर्जा देने की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। मांगों को लेकर धरने पर बैठी आंगनबाड़ी वर्कर्स।

आंगनबाड़ी वर्कर्स एंड हेल्पर्स यूनियन हरियाणा के आह्वान पर जिले की सैकड़ों आंगनवाड़ी वर्कर्स और हेल्पर्स ने नए पोषण ट्रैकर को बंद कराने, न्यूनतम वेतन 26 हजार तथा आंगनवाड़ी वर्कर्स को तृतीय श्रेणी एवं हेल्पर्स को चतुर्थ श्रेणी का दर्जा देने की मांग को लेकर जिले की सैंकड़ों आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन करते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी के प्रतिनिधि पीओ को मांगों का ज्ञापन सौंपा।

यूनियन की जिला सचिव राजबाला शर्मा द्वारा संचालित प्रदर्शन की अध्यक्षता जिला प्रधान राजबाला निनान ने की। प्रदर्शन को संबोधित करते हुए सीआईटीयू के नेता कामरेड अनिल कुमार व रतन कुमार जिंदल ने कहा कि भाजपा सरकार पोषण ट्रैकर एप के बहाने से महिलाओं का भारी शोषण कर रही है। बजट में आईसीडीएस समेत सभी कल्याणकारी योजनाओं के बजट में भारी कटौती कर दी है। 46 वे श्रम सम्मेलन की शिफारिश को लागू नहीं किया जा रहा है। कमरतोड़ महंगाई के बावजूद आंगनबाड़ी कर्मियों को मामूली वेतन में गुजारा करना पड़ रहा है। ऊपर से पोषण ट्रैकर एप जैसे ऑनलाइन पोर्टल पर काम करने के लिए अधिकारियों के माध्यम से कर्मियों पर भारी दबाव बनाया जा रहा है।

प्रदर्शन में शामिल आंगनवाड़ी वर्कर्स व हैल्पर्स को सम्बोधित करते हुए यूनियन नेत्री राजबाला शर्मा व राजबाला निनान ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लागू पोषण ट्रैकर के कारण आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को कई व्यवहारिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। वर्कर को लाभार्थियों का फेस कैप्चर करते समय ओटीपी इनवेलिड आना,फेस कैप्चर न होना ,फेस मिसमैच ,आदि अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता हैं।बार बार शिकायत करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं की जा रही है।समस्या का समाधान निकालने के बजाय विभाग ऑन लाइन काम का दबाव बना रहा है।सरकार आंगनवाड़ी वर्कर्स को कुशल व हैल्पर्स को अकुशल का दर्जा देने में भी आनाकानी कर रही है।देश की सर्वोच्च न्यायालय ने गुजरात की वर्कर व हैल्पर को तृतीय व चतुर्थ श्रेणी में नियमित करने का निर्णय दिया है।विभाग द्वारा आंगनवाड़ी केन्द्र व क्रेच केन्द्रों को एक साथ संचालित करने के निर्देश के कारण आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है। विभाग के अधिकारियों के आश्वासन के बावजूद आँगनबाड़ी हैल्पर्स का हड़ताल की अवधि के बकाया मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है।विभाग के नीतिगत फ़ैसले के बावजूद वर्कर्स को सुपरवाइजर तथा हेल्पर्स को वर्कर के तौर पर पदोन्नत नहीं किया जा रहा है। यूनियन नेताओं ने बताया है उन्होंने मांग की है कि विभाग में खाली पड़े पदों को जल्द भरा जाए। प्रदर्शन में यूनियन नेत्री प्रिया व रीटा ने बताया की, एक्सपायरी डेट का राशन डाला जा रहा है। रोज एक दिन में एक ही प्रकार का राशन दिया जाना चाहिए जबकि एक दिन में चार प्रकार का राशन अलग अलग कैटिगरी को दिया जा रहा है। यह हेल्पर वर्कर्स में भारी समस्या है। सभी लाभार्थियों को एक जैसा राशन ही दिया जाए। यूनियन की नेता राजबाला शर्मा ने बताया की जो बहने 60 साल की हो चुकी है उनका एलआईसी का पैसा आज तक नहीं दिया जा रहा है।

ये रहे मौजूद

आंगनबाड़ी यूनियन के सभी नेताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए। प्रिया, राजबाला निनान , सुमन ,शारदा, गुड्डी,दर्शना ,सरोज , सुनीता चहल , अंजना,उर्मिला, निशा , कमलेशभिवानी अर्बन ,कैरु से शकुंतला रोशनी प्रमिला , चांग से रितु ,रीटा कमलेश कौशल्या मंजू, मीना, प्रमिला , निर्मला सरोज ,मीथातल से बबली , बाला आदि शामिल हुई।

सवा 22 सौ की बजाय मिला 1088 क्यूसेक पानी

■ सुंदर ग्रुप की तीनों नहरों में छोड़ा आधे से भी कम पानी,देरी से पहुंचेगा टेलों पर पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

लोगों के लिए राहत भरी खबर। जलघरों व तालाबों में पानी की कमी की वजह से सिंचाई विभाग ने सुंदर ग्रुप की नहरों के लिए पानी छोड़ दिया है। हालांकि सिंचाई विभाग ने जितना पानी मांगा था,उसकी बजाए आधा पानी दिया है। जो कि 27 फरवरी तक पूरा होने की उम्मीद है। फिलहाल सुंदर डिस्ट्रीब्यूटरी में 980 क्यूसेक की जगह सवा तीन सौ क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। जिसकी वजह से उक्त डिस्ट्रीब्यूटरी पर पड़ने वाले माइनरों के अंतिम छोर तक देरी से पानी पहुंचेगा। जुई फीडर में साढे आठ सौ क्यूसेक की जगह 444 तथा मिताथल फीडर में 380 क्यूसेक की जगह 317 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। जो कि देर रात तक जिले की सीमा तक पहुंचने की उम्मीद है।

जानकारी के अनुसार सिंचाई विभाग ने जिले की नहरों के लिए सवा 22 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की मांग भेजी थी। साथ ही उक्त नहरों में पानी 22 फरवरी को मूनक से छोड़ा जाना था,लेकिन दो दिन अतिरिक्त भालौट ग्रुप में चलाए जाने के बाद पानी छोड़ा गया है। पानी की गति धीमी होने की वजह से पानी देर रात तक जिले की सीमा में पहुंचने की उम्मीद है। बताया जा रहा है। सिंचाई विभाग ने सवा 22 क्यूसेक पानी की मांग भेजी थी,लेकिन पानी की कमी के चलते महज 1088 क्यूसेक ही पानी मिल पाया है। पानी बढवाने को लेकर लगातार सिंचाई विभाग के अधिकारी मुख्यालय पर सम्पर्क साध रहे है। माना जा रहा है कि नहरों में पानी 26 या 27 फरवरी तक पूरा होने की उम्मीद है। नहरी पानी पूरा होने के बाद ही माइनर व नहर के अंतिम छोर तक पानी पूरा पहुंच जाएगा। फिलहाल टेल पानी का टोटा ही बना रहेगा। मौसम में आए एकदम बदलाव की वजह से रबी फसलों को इस वक्त सिंचाई की बेहद सख्त जरूरत है। क्योंकि इस वक्त सरसों की फसल पक रही है और गेहूं की फसल में बालिया आने लगी है। ऐसे में गेहूं की फसल की सिंचाई बेहद जरूरी है। अगर इस वक्त गेहूं की फसल की सिंचाई नहीं हो पाती तो फसल की औसतन पैदावार प्रभावित होना लाजिमी है। फिलहाल नहरी पानी आने पर ही फसलों की सिंचाई हो पाएगी।

भिवानी। निरीक्षण के दौरान हाजरी रजिस्टर की जांच करते हुए।

क्लेस्टरहैड ने स्कूलों का किया निरीक्षण, बच्चों से पूछे सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

बवानीखेड़ा खंड के सुई क्लस्टर हेड राजेश कुमार ने क्लस्टर के अंतर्गत रामपुरा व सुई के मॉडल संस्कृति स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान एमडीएम, हाजिरी रजिस्टर, कक्षा 1 से 3 की निपुण की मॉनिटरिंग की। क्लासों में जाकर बच्चों से विषय से संबंधित सवाल भी पूछे। निरीक्षण की खबर सुनते ही शिक्षकों में हड़कम्प मच गया।

क्लस्टर हेड राजेश कुमार ने बताया की शिक्षा विभाग के आदेश है की सीआरसी द्वारा स्कूलों का निरीक्षण किया जाना है। इन्ही आदेशों के तहत उन्होंने आज सुई के वीर शहीद हवलदार राम ईश्वर राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों से निपुण की कक्षा की भी चेकिंग की। बच्चों से गणित, हिंदी व अंग्रेजी विषय के सवाल पूछे। बच्चो ने भी सवालों के जवाब दिए। बाद में क्लस्टर हेड बच्चो के एमडीएम के रजिस्टर की जाँच की।

नियंत्रित क्षेत्र में अवैध निर्माण को लेकर डीटीपी ने दुकान की सील

चरखी दादरी। जिला नगर योजनाकार की टीम ने अवैध निर्माणों के विरुद्ध कारवाई करते हुए राजस्व क्षेत्र चरखी में दादरी-भिवानी रोड पर एक अवैध दुकान के निर्माण को सील किया। डीटीपी पिछले 10 दिनों से अवैध कालोनियों और निर्माणों पर कार्रवाई कर रही है। जिला नगर योजनाकार ने बताया को दुकान का निर्माण अवैध तरह से किया गया था। उपायुक्त मुनीश शर्मा ने कहा कि शहरी नियंत्रित क्षेत्र के अंतर्गत किसी भी सूरत में अवैध निर्माण को नहीं पनपने दिया जाएगा। उन्होंने आमजन से भी अपील करते हुए कहा कि आमजन भी इस बात का ख्याल रखते हुए प्रशासन का सहयोग करें और जनसाधारण अवैध कॉलोनियों में प्रोपर्टी डीलरों के बहकावे में आकर प्लाट न खरीदें तथा अनुसूचित सड़कों एवं बाईपास की वर्जित पट्टी में किसी भी तरह का निर्माण न करें एवं नियंत्रित क्षेत्र में कोई भी निर्माण करने से पूर्व विभाग से अनुमति लेना सुनिश्चित करें अथवा अवैध निर्माणकर्ताओं के खिलाफ विभागीय कार्रवाई नियमानुसार अमल में लाई जाएगी। उन्होंने बताया कि संबंधित अधिकारियों को इस बाबत सख्त दिशा निर्देश जारी किए गए ताकि अवैध निर्माणों पर अंकुश लगाया जा सके। इस मौके पर डयूटी मैजिस्ट्रेट श्याम सुंदर, वरिष्ठ कुश्ती कोच, विजेन्द्र सिंह सहित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

11 हजार लीटर त्रिवेणी संगम गंगाजल से आचमन तैयार

■ जोगीवाला शिव मंदिर धाम में चार पहर रहेगी भगवान शिव की पूजा-अर्चना : महंत वेदनाथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। जोगीवाला शिव मंदिर के शिव सरोवर घाट में प्रयागराज संगम का गंगाजल डालते महंत वेदनाथ महाराज।

जोगीवाला शिव मंदिर धाम में महाशिवरात्रि पर्व को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। मंदिर के महंत वेदनाथ ने बताया कि महाशिवरात्रि का पर्व बड़े धूमधाम एवं उत्साह के साथ मनाया जाएगा। हर वर्ष की तरह इंस बार भी हरिद्वार के हर की पौड़ी से श्रद्धालु गंगाजल और कावड़ लेकर जोगीवाला शिव मंदिर आए हैं, जो महाशिवरात्रि पर शिवलिंग पर जल चढ़ाएंगे। छोटी काशी में कल बुधवार को धूमधाम से महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाएगा। इस दिन भगवान शिव के साथ देवी पार्वती, गणेश और कार्तिकेय स्वामी का विशेष अभिषेक किया जाता है। महाशिवरात्रि पर्व पर शहर के प्रमुख मंदिरों में धार्मिक कार्यक्रम आयोजन किया जाएगा।

महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में जोगीवाला शिव मंदिर का 5100 किलोग्राम सुगंधित फूलों से सजाया जाएगा। इसी कड़ी में छोटी काशी के शिव मंदिरों में शुमार सिद्धस्थल जोगीवाला शिव मंदिर में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिनकी व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि महाशिवरात्रि पर्व पर इस बार मंदिर परिसर को सजाने के लिए 5100 किलोग्राम फूलों का उपयोग किया जाएगा, जोगीवाला मंदिर धाम में बने शिव सरोवर घाट में महाकुंभ से लाया गया त्रिवेणी संगम का 11000 लीटर गंगाजल डाला गया है, जिसमें हजारों की संख्या में पहुंचने वाले शिवभक्त आचमन करेंगे। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि 26 फरवरी को है और 26 फरवरी को महाकुंभ में बड़ा स्नान है।

युवक ने फंदा लगाकर जीवनलीला की समाप्त

तोशाम। मंगलवार अल सुबह तोशाम निवासी एक युवक ने तोशाम स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्रांगण में नीम के पेड़ पर फांसी का फंदा लगाकर जीवन लीला समाप्त कर ली। समाचार लिखे जाने तक घटना को अंजाम देने के कारणों का पता नहीं लग पाया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को मृतक युवक के छोटे भाई की शादी थी जिसका देर रात्रि तक घर में जश्न मनाया गया था लेकिन मंगलवार सुबह परिजनों को जैसे ही घटना का पता लगा तो शादी की खुशियां पल भर में मातम में बदल गई। तोशाम निवासी करीबन 36 वर्षीय युवक नफे सिंह पलंबर का कार्य करता था। मंगलवार को युवक नफे सिंह के छोटे भाई विक्की की शादी थी जिसका घर में जमकर जश्न मनाया जा रहा था।

■ खुशियों बदली मातम में मंगलवार को होनी थी मृतक युवक के छोटे भाई की शादी

क्रिप्टो करेंसी मामला : घर के बाहर सीआरपीएफ के जवान पहरा दे रहे

तीसरे दिन भी डटी रही गांव शहरयार पुर में ईडी

■ इस घर में करीब दो महीने पहले एक बार जांच एजेंसी की टीम जांच के लिए आ चुकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहल

क्रिप्टो करेंसी मामले में जांच के लिए शहरयारपुर गांव में पहुंची ईडी जांच एजेंसी की टीम लगातार तीसरे दिन भी डटी रही। टीम सदस्य दिन भर घर में ही रहे और केवल जरूरी काम के लिए ही बाहर निकले। हालांकि, घर के सदस्य अपने काम के लिए बाहर, भीतर जाते रहे। टीम को जांच में कुछ मिला या नहीं, यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया है।

जांच एजेंसी के सदस्य घर से बाहर आने पर किसी से बात करने को तैयार नहीं है। वे पूछने वाले हर एक को सिर्फ यही कहकर मामले को टाल रहे है कि अभी कुछ जरूरी जांच चल रही है। हालांकि, ग्रामीणों में यह उत्सकुता अभी भी बनी हुई है कि आखिर टीम करीब 60 घंटे बीत जाने के बाद भी ऐसी क्या जांच कर रही है जो अभी तक पूरी नहीं हुई है। टीम जिस घर में जांच कर रही है

भिवानी। क्रिप्टो करेंसी मामले में जांच के दौरान तैनात जांच एजेंसी का जवान।

वहां उस घर के बाहर सीआरपीएफ के जवान पहरा दे रहे हैं। वे किसी भी ग्रामीण को अंदर नहीं जाने दे रहे हैं। यहां तक कि मौके पर पहुंची मीडिया की टीम को भी जवानों ने घर के अंदर प्रवेश करने की इजाजत नहीं दी। उन्होंने बस इतना कहा कि शायद बुधवार तक जांच पूरी हो जाए उसके बाद उनके सामने मामले का खुलासा कर दिया जाएगा। वहीं, गांव के लोगों ने बताया कि इस घर में करीब दो महीने पहले एक बार जांच एजेंसी की टीम जांच के लिए आ चुकी है। पर, उस समय टीम ने क्या कार्रवाई की और उसे वहां पर क्या मिला इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी थी। ग्रामीणों ने बताया कि जांच एजेंसी की टीम शहरयारपुर में सोमबीर के घर में जांच कर रही है, वह ज्यादा शिक्षित नहीं है। फिर भी उसकी पहुंच क्रिप्टो करेंसी मामले तक कैसे हुई, यह चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि सोमबीर बेहद साधारण स्वभाव का युवक है। वह गांव में बने मकान में अकेला ही रहता है। उसका बाकी परिवार उसके खेत में बने मकान में रहता है। लोगों के अनुसार, पिछले करीब एक साल से उसके घर पर लग्जरी गाडिय़ों का आना जाना रहता था। लेकिन, लोगों को तब समझ में नहीं आया था कि आखिर इन गाड़ियों में कौन लोग आते है, कहां से आते हैं और उनका सोमबीर से क्या वास्ता है। लेकिन, अब ग्रामीणों को यह अंदेशा है कि हो न हो वो लोग इसी मामले में यहां आते थे और सोमबीर को अपने नेटवर्क में शामिल कर रखा था।

नशा तस्कर को चार साल की कैद और 40,000 हजार रुपये जुर्माना

भिवानी। मैनी भैरव महम, जिला रोहतक निवासी व्यक्ति को 220 ग्राम चरस के साथ पकड़े गए आरोपी को दोषी साबित होने पर सुनाई गई 04 वर्ष कारावास व 40,000 रुपए का जुर्माना की सजा सुनाई। एएसजे अजय पराशर की अदालत ने दोषी को सुनाई सजा। एडीशनल सेशन जज भिवानी की अदालत ने आरोपी को 220 ग्राम चरस रखने के मामले में एक आरोपी को दोषी ठहराते हुए उसे 04 वर्ष की कारावास व 40,000 रुपए जुर्माना की सजा सुनाई गई है। एडीशनल सेशन जज अजय पराशर की अदालत ने थाना तोशाम में दर्ज एनडीपीएस एक्ट के मामले में एक आरोपी को दोषी ठहराते हुए दोषी को 04 वर्ष कारावास व जुर्माना की सजा सुनाई गई। 14 सितम्बर को पुलिस ने एक व्यक्ति को गांव सिंढाण से नशीला पदार्थ चरस के साथ गिरफ्तार किया था। टीम द्वारा दी गई की शिकायत पर तत्परता से कार्रवाई करते हुए थाना तोशाम पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा अंकित किया गया था। अदालत द्वारा आरोपी को दोषी पाया गया। पकड़े गए आरोपी सत्यवान पुत्र रिछपाल निवासी मैनी भैरव, महम, जिला रोहतक को माननीय अदालत द्वारा दोषी ठहराते हुए उसे 04 वर्ष की कैद तथा 40,000 रुपए जुर्माना की सजा सुनाई गई।

सोना या शेयर... कहां पैसा लगाना ज्यादा फायदेमंद

- दोनों के 20 साल के रिटर्न से समझें पूरी रणनीति
- सोने की कीमतों में 2023-2025 में बढ़ोतरी जारी
- भू-राजनीतिक तनाव से कीमतें प्रभावित हुई
- सोने व सेंसेक्स ने पिछले 20 वर्षों में समान रिटर्न दिया

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

वर्ष 2023 से सोने की कीमतों में तेज बढ़ोतरी देखी गई है, जो 2025 में भी जारी है। ये बढ़ोतरी भू-राजनीतिक तनावों, मुद्रास्फीति और शेयर बाजार की गिरावट के कारण हुई है। पिछले 20 वर्षों में सोना और सेंसेक्स ने समान रिटर्न दिया है, जिससे दोनों निवेशों की अहमियत स्पष्ट होती है। सोना रोज नए रिकॉर्ड बना रहा है। 2023 और 2024 में सोने की कीमतों में 13% और 27% की बढ़ोतरी देखी गई। 2025 में भी यह तेजी जारी है। अब तक इससे लगभग 10% का रिटर्न मिल चुका है। इस सोने की दौड़ के पीछे कई कारण हैं। इनमें बढ़ती महंगाई, भू-राजनीतिक अनिश्चितता और शेयर बाजार में गिरावट शामिल हैं। ऐतिहासिक रूप से सोने को इन जोखिमों से बचाव का सबसे अच्छा तरीका माना जाता रहा है।

इस बात को भूल जाते हैं लोग

अंतराष्ट्रीय सोने की कीमत अमेरिकी डॉलर में होती है। डॉलर में किसी भी मजबूती का मतलब भारतीय रुपये में कमजोरी है। ऐतिहासिक रूप से रुपये ने डॉलर के मुकाबले मूल्य खोया है। इसलिए जब रुपया कमजोर होता है तो सोने का मूल्य बढ़ता है। यह सोने के भारतीय रुपये-मूल्यवर्ग के रिटर्न को बढ़ाता है। भारतीय निवेशकों के लिए सोने में अतिरिक्त रिटर्न (सालाना 2% और 3% के बीच) रुपये के अवमूल्यन से आया है।

इसलिए डायवर्सिफिकेशन जरूरी : सोना और स्टॉक अलग-अलग प्रकार के निवेश हैं, उन्होंने दो दशकों में समान रिटर्न प्रदान किया है। एक दूसरे से बेहतर हैं या नहीं यह बाजार की स्थितियों, जोखिम की भूख और निवेश लक्ष्यों पर निर्भर करता है। इक्विटी और बॉन्ड के साथ सोने में अच्छा निवेश कॉन्सेंट्रेशन रिस्क को कम करते हुए पोर्टफोलियो को स्थिरता प्रदान करता है। कुल मिलाकर आपके एसेट एलोकेशन के हिस्से के रूप में दोनों का सही अनुपात में होना जरूरी है।

सोने में तेजी की वजह क्या

2020 के बाद भू-राजनीतिक तनाव ने सोने की कीमतों को हवा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दरों में कटौती के अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल-हमास संघर्ष और चीन-ताइवान के बीच बढ़ते तनाव के चलते सोने की कीमतें बढ़ी हैं। इसके अलावा, डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में वापसी से वैश्विक अनिश्चितता बढ़ गई है। ट्रंप की टैरिफ नीतियां व्यापार युद्ध शुरू कर सकती हैं। इसका वैश्विक मुद्राओं पर महत्वपूर्ण असर पड़ेगा। सोने का भाव देश में 89 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया है। कुछ समय पहले बेंचमार्क इंडेक्स बीएसई सेंसेक्स भी 25 सितंबर, 2024 को पहली बार 85,000 के स्तर को पार कर गया था। सेंसेक्स 27 सितंबर, 2024 को 85,978 के सर्वकालिक ऊंचे स्तर पर पहुंच गया था। यह 85,571 पर बंद हुआ था, जो अब तक का सबसे ऊंचा लेवल है। आइए देखते हैं कि पिछले 20 वर्षों में रिटर्न के मामले में दोनों में किसने बाजी मारी है।

किसने मारी बाजी

2005 में सेंसेक्स 8,000 पर था। वहीं, सोना लगभग 7,000 रुपये प्रति 10 ग्राम था। 2025 में सोना और सेंसेक्स (29 सितंबर, 2024) दोनों 85,000 रुपये को पार कर गए। दोनों के बीच यह स्तर छूने में चार महीने का अंतर रहा। हालांकि, एक लॉन्ग-टर्म इन्वेस्टमेंट व्यू ऐसे अंतरों को दूर करता है। चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) फॉर्मूला का इस्तेमाल करते हुए दोनों एसेट्स ने पिछले 20 सालों में 12% से 13% का वार्षिक रिटर्न दिया है। क्या यह एक अद्भुत संयोग नहीं है? लेकिन एक बात है, जिसे लोग अक्सर भूल जाते हैं।

एसबीआई जन निवेश की 250 रुपये वाली एसआईपी कितनी बेहतर होगी

- इस योजना में कितना मिलेगा रिटर्न, किस स्कीम में जाएंगे आपके पैसे
- निवेश करने से पहले इस स्कीम के पिछले आंकड़े जांचे

तैयारी
बिजनेस डेस्क

एसबीआई म्यूचुअल फंड ने हाल ही में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के साथ मिलकर जन निवेश एसआईपी लॉन्च की है, जिसके जरिये सिर्फ 250 रुपये की मंथली एसआईपी से निवेश की शुरूआत की जा सकती है। इसे म्यूचुअल फंड में निवेश को आम लोगों के बीच और पॉपुलर बनाने वाला कदम बताया जा रहा है। जो लोग इस जन निवेश एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड में पैसे लगाना चाहते हैं, उनके मन में पहला सवाल होगा कि इसमें निवेश करने पर कितना रिटर्न मिलने की उम्मीद की जा सकती है। इस सवाल का जवाब जानने के लिए सबसे पहले तो यह मालूम होना चाहिए कि जननिवेश एसआईपी के जरिये जमा की जाने वाली हर रकम एसबीआई म्यूचुअल फंड की किस स्कीम में लगाई जाएगी। इसके बाद उस स्कीम के पिछले रिटर्न के आंकड़े यह अंदाजा लगाने में मदद करेंगे कि निवेश करने पर कितना रिटर्न मिलने की संभावना हो सकती है।

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में जाएगी रकम

सबसे पहले बता दें कि जन निवेश एसआईपी से मिलने वाली सारी रकम एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में निवेश की जाएगी, जो एसबीआई म्यूचुअल फंड की एक हाइब्रिड स्कीम है। जैसा कि नाम से जाहिर है, यह एक बैलेंस्ड एडवांटेज फंड है, जिसे हाइब्रिड म्यूचुअल फंड की कैटेगरी में रखा जाता है। डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड भी बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का ही दूसरा नाम है।

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड की क्या है खूबी

बैलेंस्ड एडवांटेज फंड या डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इसके जरिये निवेशकों के पैसों को बाजार की परिस्थितियों के हिसाब से इक्विटी और डेट में डायनैमिक ढंग से इनवेस्ट किया जाता है। सेबी के नियमों के तहत बैलेंस्ड एडवांटेज फंड के पोर्टफोलियो में इक्विटी और डेट दोनों की हिस्सेदारी 0 से 100 फीसदी तक कुछ भी हो सकती है। किस वक्त किस एसेट क्लास में कितने पैसे लगाने हैं, यह फैसला पूरी तरह फंड मैनेजर की समझदारी से किया जाता है. अगर मैनेजर को लगता है कि इक्विटी में रिटर्न गिरने वाला है, तो वह फंड को इक्विटी से डेट की तरफ ट्रांसफर कर सकता है और अगर शेयर बाजार में बेहतर रिटर्न की गुंजाइश नजर आती है, तो वह इक्विटी में फंड एलोकेशन बढ़ा सकता है। यानी इस हाइब्रिड फंड में पैसे लगाने पर निवेशकों को इक्विटी और डेट दोनों में निवेश का फायदा मिलने की उम्मीद रहती है। यही वजह है कि इसे संतुलित रिटर्न देने वाली स्कीम माना जाता है।

एसआईपी से जुड़े सात सवाल जवाब में छिपी फायदे की बात

- एसआईपी के जरिये किए गए निवेश से पूरा फायदा मिलेगा
- आप निवेश की इस रणनीति पर सही ढंग से अमल कर पाएंगे
- रिटेल इनवेस्टर बड़े पैमाने पर एसआईपी के जरिये करते हैं निवेश, इसमें नुकसान का कम रहता है जोखिम
- थोड़े-थोड़े करके पैसे डालने पर टाइमिंग से जुड़ा रिस्क कम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी), म्यूचुअल फंड में निवेश करने का एक पॉपुलर तरीका है। रिटेल इनवेस्टर बड़े पैमाने पर एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड्स में पैसे लगाते हैं, लेकिन क्या ज्यादातर निवेशक एसआईपी के जरिये निवेश की रणनीति को ठीक से समझते हैं? पिछले दिनों शेयर बाजार में गिरावट के दौरान अधिकांश फंड्स के एसआईपी रिटर्न भी घटे। उस पर निवेशकों के बीच जिस तरह से घबराहट देखने को मिली और लोग एसआईपी को कटघरे में खड़ा करने लगे, उसे देखकर तो यही लगता है कि इस बारे में और अधिक समझदारी बनाने की जरूरत है। अगर रिटेल निवेशकों को एसआईपी के जरिये निवेश का पूरा फायदा उठाना है, तो उनके लिए निवेश के इस तरीके को सही संदर्भ में समझना और उससे जुड़ी गलतफहमियों को दूर करना जरूरी है।

एसआईपी क्या एक अलग इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट है

बहुत सारे इनवेस्टर एसआईपी को एक अलग इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट समझ लेते हैं. जबकि सच ये है कि एसआईपी कोई अलग इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट नहीं है। दरअसल, सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान किसी भी म्यूचुअल फंड में डिसिप्लिन के साथ रेगुलर इनवेस्टमेंट करने का एक तरीका है। ऐसा तरीका, जो निवेश करने की प्रक्रिया को आम निवेशकों के लिए आसान और सुविधाजनक बना देता है। साथ ही इसके जरिये रेगुलर इनवेस्टमेंट का डिसिप्लीन यानी अनुशासन भी मेंटेन किया जा सकता है। एसआईपी का मतलब है, आपके चुने हुए इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट यानी म्यूचुअल फंड स्कीम में, पहले से तय अंतर पर (मसलन, हर महीने या 3 महीने में) एक निश्चित रकम निवेश करना यानी इसमें एक फिक्स्ड रकम, पहले से तय फ्रीक्वेंसी के हिसाब से आपके चुने हुए म्यूचुअल फंड में निवेश कर दी जाती है। यानी असल में आपका फंड या चुनी हुई स्कीम ही इनवेस्टमेंट प्रोडक्ट है, जबकि एसआईपी तो सिर्फ उसमें पैसे लगाने का एक सुविधाजनक और बेहतर तरीका है।

एसआईपी क्या एक अलग एसेट क्लास

नहीं। एसआईपी कोई अलग एसेट क्लास नहीं है, लेकिन एसआईपी के जरिये आप अलग-अलग एसेट क्लास में निवेश करने वाले फंड्स में पैसे जरूर लगा सकते हैं। मिसाल के तौर पर अगर आप गोल्ड फंड में एसआईपी करते हैं, तो आपके पैसे उस फंड के जरिये गोल्ड में निवेश होते हैं। यानी एसआईपी कोई अलग एसेट क्लास नहीं, बल्कि इनवेस्टमेंट का तरीका है। कुछ-कुछ वैसे ही, जैसे पोस्ट ऑफिस या बैंक में आप रिकरिंग डिपॉजिट के जरिये पैसे जमा करते हैं।

एसआईपी से तय होता है कम या ज्यादा रिटर्न

एसआईपी के जरिये किए जाने वाले निवेश पर आपको कितना रिटर्न मिलेगा, यह उस फंड के परफॉर्मेंस से तय होता है, जिसमें आप पैसे डाल रहे हैं। एसआईपी को निवेश का बेहतर तरीका इसलिए माना जाता है, क्योंकि इसमें निवेश की टाइमिंग का टेंशन नहीं रहता है। यानी एक साथ पूरे पैसे लगाने की तुलना में एसआईपी के जरिये थोड़े-थोड़े करके पैसे डालने पर इनवेस्टमेंट की टाइमिंग से जुड़ा रिस्क कम हो जाता है। इसका फायदा लंबे अरसे में मिलता है. लेकिन ऐसा नहीं कहा जा सकता कि एसआईपी के जरिये निवेश करने पर मिलने वाला रिटर्न लंपसम यानी एकमुश्त निवेश के रिटर्न से हमेशा ज्यादा या कम ही होगा। इसकी वजह ये है कि लंपसम इनवेस्टमेंट का रिटर्न किसी हद तक निवेश की टाइमिंग पर भी निर्भर रहता है। एसआईपी के जरिये म्यूचुअल फंड में पैसे लगाने पर रिटर्न की कोई गारंटी भी नहीं होती। इसका रिटर्न पूरी तरह उस म्यूचुअल फंड स्कीम के प्रदर्शन पर निर्भर है, जिसे आपने सेलेक्ट किया है।

एसआईपी क्या सिर्फ छोटे निवेशकों के लिए

एसआईपी की बड़ी खूबी है कि आप इसके माध्यम से हर महीने सिर्फ 500 रुपये या उससे भी छोटी रकम से भी निवेश की शुरुआत कर सकते हैं, लेकिन ऐसा नहीं कि एसआईपी सिर्फ छोटे निवेशकों के लिए है। सच तो यह है कि एसआईपी में इनवेस्टमेंट की कोई अपर लिमिट यानी ऊपरी सीमा नहीं होती। इसलिए बड़ी पूंजी लगाने वाले हाई नेटवर्थ निवेशक भी एसआईपी के जरिये निवेश करते हैं। उनकी एसआईपी में दिलचस्पी इसलिए रहती है, क्योंकि इसके जरिये पैसे लगाने पर बाजार के उतार-चढ़ाव से फायदा होता है। मार्केट चढ़ने पर एसआईपी की रकम में कम यूनिट्स मिलती हैं, लेकिन जब बाजार गिरता है, तो एसआईपी के उसी फिक्स अमाउंट में ज्यादा यूनिट्स मिल जाती हैं। इस तरह लंबे अरसे के दौरान निवेश की एवरेज प्रति यूनिट कॉस्ट कम हो जाती है। इसी को रुपी-कॉस्ट एवरेजिंग कहा जाता है, जो एसआईपी की सबसे बड़ी खूबी है।

एसआईपी क्या सिर्फ इक्विटी फंड्स के लिए

ऐसा सोचना सही नहीं है कि एसआईपी के जरिये सिर्फ इक्विटी फंड्स में ही निवेश किया जा सकता है। एसआईपी का इस्तेमाल आप डेट फंड्स या हाइब्रिड फंड्स से लेकर गोल्ड फंड तक, किसी भी म्यूचुअल फंड स्कीम में पैसे लगाने के लिए कर सकते हैं। डेट फंड्स में एसआईपी के जरिये इनवेस्ट करना, कुछ-कुछ वैसा ही है, जैसे बैंक या पोस्ट ऑफिस के रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी) में पैसे लगाना। डेट फंड्स में आमतौर पर इक्विटी फंड्स के मुकाबले ज्यादा स्टेबल रिटर्न मिलते हैं। इसलिए डेट फंड में एसआईपी करना उन निवेशकों के लिए बेहतर रहता है, जो ज्यादा रिस्क नहीं लेना चाहते या जो शॉर्ट टर्म के लिए निवेश करना चाहते हैं।

एसआईपी के साथ क्या हमेशा लॉक इन पीरियड जुड़ा होता

टैक्स सेविंग इक्विटी लिंक्ड सेविंग्स स्कीम्स (ईएलएसएस) में किए गए निवेश पर 3 साल का लॉक-इन पीरियड लागू होता है, जबकि रिटायरमेंट फंड्स और चिल्ड्रेंस फंड्स में 5 साल का लॉक-इन होता है। यह लॉक-इन इन स्कीम्स में एसआईपी के जरिये निवेश करने पर भी लागू रहता है, लेकिन बाकी ज्यादातर ओपन-एंडेड म्यूचुअल फंड्स में आप अपने निवेश को कभी भी निकाल सकते हैं, अगर आप एसआईपी शुरू करने के बाद किसी वजह से उसे बीच में रोकना यानी पॉज करना चाहते हैं, तो आप यह काम भी बड़ी आसानी से कर सकते हैं। इसके लिए आपको कोई एक्सट्रा फीस भी नहीं देनी पड़ती है। आप अपनी जरूरत के हिसाब से कुछ यूनिट्स भी बेच सकते हैं। ऐसा करते समय एग्जिट लोड और मुनाफे पर लागू टैक्स की जानकारी जरूर कर लेनी चाहिए। एग्जिट लोड यूनिट्स के होल्डिंग पीरियड के हिसाब से अलग-अलग लगता है।

एसआईपी का 1 साल का रिटर्न देखकर राय बनाना कितना सही

एसआईपी के जरिये किए गए निवेश पर सिर्फ 6 महीने या 1 साल का रिटर्न देखकर राय बनाना सही नहीं है। इक्विटी फंड्स की एसआईपी के मामले में यह बात समझना और भी जरूरी है। दरअसल, इक्विटी फंड्स में एसआईपी करने वालों को हमेशा यही सलाह दी जाती है कि उन्हें 5 साल या उससे भी ज्यादा समय के लिए एसआईपी करने पर फोकस करना चाहिए, क्योंकि इनवेस्टमेंट पर एवरेजिंग और कंपाउंडिंग का पूरा फायदा लेने के लिए ऐसा करना बेहतर रहता है। हालांकि अपने निवेश के उद्देश्य और इनवेस्टमेंट होराइजन के हिसाब से आप कम समय के लिए भी एसआईपी कर सकते हैं.लेकिन उसके लिए सही स्कीम या फंड का सेलेक्शन जरूरी है। उदाहरण के लिए अल्ट्रा शॉर्ट ड्यूरेशन या शॉर्ट ड्यूरेशन फंड जैसे डेट फंड को शॉर्ट टर्म एसआईपी के लिए बेहतर माना जाता है। लेकिन अगर आप स्मॉल कैप या मिड कैप जैसे किसी इक्विटी फंड में एसआईपी शुरू करने के बाद अगले 6 महीने या एक साल में शानदार रिटर्न की उम्मीद करने लगते हैं, तो जरूरी नहीं कि ऐसा हो।

एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का लंपसम रिटर्न

- 1 साल का रिटर्न : 9.9%
- 3 साल का औसत सालाना रिटर्न : 12.69%
- लॉन्च से अब तक का औसत सालाना रिटर्न : 11.63%

ऐसा है फंड

एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का बेंचमार्क निफ्टी-50 हाइब्रिड कंपोजिट डेबट 50:50 इंडेक्स है, जिसका 1 साल का रिटर्न 9.23%, 3 साल का 9.48% और लॉन्च से अब तक रिटर्न 8.67% रहा है. रिटर्न के ये आंकड़े एसबीआई म्यूचुअल फंड की वेबसाइट से लिए गए हैं। 31 जनवरी 2025 को स्कीम का एक्सपेंस रेशियो रेगुलर प्लान के लिए 1.57% और डायरेक्ट प्लान के लिए 0.69% था. एसबीआई म्यूचुअल फंड की इस स्कीम का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 18 फरवरी 2025 तक अपडेटेड आंकड़ों के मुताबिक 32,953.27 करोड़ रुपये था।

एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का एसआईपी रिटर्न

- 1 साल का एसबीआई रिटर्न (एन्युलाइज्ड) : 0.99% (रेगुलर प्लान), 1.92% (डायरेक्ट प्लान)
- 3 साल का एसबीआई रिटर्न (एन्युलाइज्ड): 12.55% (रेगुलर प्लान), 13.6% (डायरेक्ट प्लान)

ऐसे कर सकते हैं निवेश

जननिवेश स्कीम को लॉन्च किए जाने से पहले एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड में मिनिमम एसआईपी अमाउंट 500 रुपये था, लेकिन अब नई पहल के तहत इसमें मिनिमम 250 रुपये की एसआईपी से भी निवेश की शुरुआत की जा सकती है। नई पहल के तहत एसबीआई म्यूचुअल फंड की इस स्कीम में एसबीआई योनो ऐप के अलावा पेटीएम, जिरोधा और ग्रो जैसे डिजिटल फिनटेक प्लेटफॉर्म के जरिये भी निवेश किया जा सकता है। इससे इनवेस्टर अपने मोबाइल से ही एसबीआई की शुरुआत कर पाएंगे।

पिछला रिटर्न भविष्य की गारंटी नहीं

एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड के पिछले रिटर्न के आंकड़े देखकर आप इस स्कीम के अब तक के प्रदर्शन का अंदाजा लगा सकते हैं. लेकिन म्यूचुअल फंड्स में पिछले प्रदर्शन के भविष्य में भी जारी रहने की कोई गारंटी नहीं होती। फिर भी पिछले प्रदर्शन के आधार पर फंड मैनेजमेंट के बारे में कुछ अनुमान तो लगाया ही जा सकता है। इक्विटी में बड़े एक्सपोजर की गुंजाइश वाले एसबीआई बैलेंस्ड एडवांटेज फंड को रिस्कोमीटर पर हाई रिस्क वाला माना गया है।

निवेश करने के तुरंत बाद मेरे निवेश में गिरावट क्यों हो जाती है शुरू

सुझाव
संदीप वालुंज

निवेश करने के लिए सही समय की भविष्यवाणी करना लगभग असंभव है, इसके बजाय, निवेशित और सुसंगत रहने पर ध्यान केंद्रित करना सबसे बेहतर रहता है।

कई बार यह देखने में आता है कि आप निवेश करें यानी बाजार में पैसा लगाएं और एकदम गिरावट शुरू हो जाए। यह निराशाजनक महसूस करता है जब म्यूचुअल फंड या स्टॉक आपके निवेश के तुरंत बाद गिरने लगते हैं। हालांकि यह दुर्भाग्य की तरह लग सकता है, कई परिहार्य कारक इसमें योगदान करते हैं। निवेशक व्यवहार का दलबार मात्रात्मक विश्लेषण (क्यूएआईबी) लगातार दिखाता है कि व्यक्तिगत निवेशक व्यापक बाजार से कम प्रदर्शन करते हैं। यह काफी हद तक है क्योंकि वे निवेश करने से पहले स्पष्ट संकेतों या सकारात्मक गति की प्रतीक्षा करते हैं, अक्सर गलती करने या लाभ से चूकने के डर से प्रेरित होते हैं। जब तक वे रनिश्चितर महसूस करते हैं, तब तक बाजार पहले से ही वृद्धि में कीमत लगा चुका होता है, जिससे आगे तत्काल ऊपर की ओर बहुत कम गुंजाइश बचती है। इस प्रवृत्ति और निवेश के परिणामों पर इसके प्रभाव को व्यवहारिक वित्त अनुसंधान द्वारा उजागर किया गया है।

झुंड मानसिकता

निवेशक अक्सर दूसरों का अनुसरण करते हैं जब वे बढ़ती कीमतों को देखते हैं, यह सोचकर कि यह सुरक्षा का संकेत है। इससे बाजार की चोटियों के समय बड़े पैमाने पर निवेश हो सकता है जब आशावाद उच्चतम होता है, जिससे बाद में करेक्शन की संभावना बढ़ जाती है।

रीसेंसी बायस

लोग हाल के प्रदर्शन को अनुचित वजन देते हैं। जब कोई स्टॉक या फंड अच्छा प्रदर्शन कर रहा होता है, तो यह रसुरक्षितर निवेश की तरह लगता है; और लोग जोखिम रेटिंग को अनदेखा करते हैं। जोखिम से बचने वाले कई निवेशक स्मॉलकैप में तब निवेश करते देखे जाते हैं, जब वे काफी ऊपर चढ़ जाते हैं।

नुकसान का डर (जोखिम से बचना)

निवेशक निवेश करने में संकोच करते हैं जब बाजार अनिश्चित या अस्थिर होते हैं, स्थिरता के संकेतों की प्रतीक्षा करते हैं। दुर्भाग्य से, जब तक वे कदम उठाने का सोचते हैं, तब तक विकास की संभावना का एक बड़ा हिस्सा पहले ही घटित हो चुका होता है।

मार्केट टाइमिंग बायस

बाजार स्वाभाविक रूप से अस्थिर हैं, और अल्पकालिक उतार-चढ़ाव सामान्य हैं। यदि आप बाजार के शिखर के दौरान या मूल्यांकन अधिक होने पर निवेश करते हैं, तो एक करेक्शन का पालन किया जा सकता है, जिससे ऐसा प्रतीत होता है कि आपका निवेश गिरावट का कारण बना।

मीन रिवर्सन

मोमेंटम अक्सर शॉर्ट टर्म में स्टॉक या फंड को चलाता है, लेकिन इसका मतलब है कि रिवर्सन (औसत प्रदर्शन पर लौटना) अक्सर मध्यम अवधि में किक करता है. गति का पीछा करने वाले निवेशक इस स्थिर रूप से सामान्य घटना को 'निवेश के तुरंत बाद अंडरपरफॉर्मेंस' कह सकते हैं

दूसरों द्वारा लाभ लेना

जब स्टॉक बहुत तेजी से बढ़ते हैं, तो निवेशकों द्वारा लाभ लेने से गिरावट आ सकती है. उदाहरण के लिए, संस्थागत निवेशक अक्सर पोर्टफोलियो को पुनर्संतुलित करते हैं, ओवरवैल्यूड एसेट बेचते हैं और अंडरवैल्यूड खरीदते हैं. और चूंकि उनके पोर्टफोलियो बड़े हैं, इसलिए यह अक्सर गिरावट की ओर जाता है।

इस घटना से कैसे बचें

- **फंडामेंटल के आधार पर इन्वेस्ट करें** : हाल के प्रदर्शन या रुझानों के बजाय किसी परिसंपत्ति के आंतरिक मूल्य पर ध्यान दें। वैल्यूएशन, अर्निंग ग्रोथ या सेक्टर आउटलुक जैसे मेट्रिक्स का इस्तेमाल करके म्यूचुअल फंड या स्टॉक्स का मूल्यांकन करें।
- **सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) का उपयोग करें** : एकमुश्त निवेश करने के बजाय, एसआईपी आपको समय-समय पर निवेश करने की सुविधा देता है, जिससे बाजार की अस्थिरता का प्रभाव कम होता है।

अनुसंधान और विविधता

केवल पिछले प्रदर्शन पर भरोसा करने से बचें। इसके अलावा, एक क्षेत्र में खराब समय के प्रभाव को कम करने के लिए अपने निवेश को परिसंपत्ति वर्गों, क्षेत्रों और भौगोलिक क्षेत्रों में निवेश करे

निवेश योजना पर टिके रहें

निवेश को अपने लक्ष्यों और जोखिम सहनशीलता के साथ संरेखित करें। अल्पकालिक परिवर्तनों के लिए भावनात्मक रूप से प्रतिक्रिया करने से बचें।

'टाइमिंग द मार्केट' के प्रलोभन से बचें

निवेश करने के लिए सही समय की भविष्यवाणी करना लगभग असंभव है। इसके बजाय, निवेशित और सुसंगत रहने पर ध्यान केंद्रित करें। समय के साथ, अनुशासित और सूचित निवेश आपको इन अल्पकालिक रडिप्स से बाहर निकलने और अपने वित्तीय उद्देश्यों को प्राप्त करने में मदद करेगा। जैक बोगल के शब्दों को दोहराते हुए, मैं निवेशकों से यह कहते हुए अपनी बात समाप्त करूंगा: 'अस्थिरता आपका मित्र है, आवेग आपका शत्रु है'।

(लेखक मोतीलाल ओसवाल फायनांशियल सर्विसेस लिमिटेड के ग्रुप चीफ मार्केटिंग ऑफिसर हैं।)

आप मुझे वोट दो मैं शहर का विकास मामले में नक्शा बदल दूँगा।

दादू नगरी बवानी खेड़ा में नगरपालिका चेयरमैन पद के लिए

आपके अपने योग्य, मिलनसार, मेहनती, विश्वासपात्र, संघर्षशील,
समाजसेवी, हर सुख-दुख के साथी, 36 बिरादरी के उम्मीदवार

महेश कुमार

सुपुत्र स्व. भीमसैन नंबरदार
(बाला जी मेडिकल हॉल वाले)

चुनाव चिन्ह

घड़ी

2 मार्च 2025 को
घड़ी के निशान (6 नंबर)
पर बटन दबाकर आपके अपने
महेश कुमार को विजयी बनाए

27.02.2025 वीरवार को
हनुमान मंदिर ढ़ाणी में
विशाल भंडारे का आयोजन
किया जाएगा।
भंडारे का आयोजन सुबह 10 बजे से
प्रभू इच्छा तक आयोजित होगा।
आप सभी आमंत्रित हैं।

संकल्प-पत्र

1. बवानी खेड़ा में शुद्ध स्वच्छ जल वितरण का आयोजन होगा।
2. बवानी खेड़ा में पार्कों की व्यवस्था करवाई जाएगी।
3. बवानी खेड़ा में स्थान चिन्हित करके खेल स्टेडियम बनाया जाएगा।
4. बवानी खेड़ा में गुगा मैडी की तरफ पानी की डिग्गी बनवाई जाएगी।
5. बवानी खेड़ा में नई सीवर लाइन बिछवाने का कार्य किया जाएगा।
6. बवानी खेड़ा में हर गली चौराहे पर सीसीटीवी कैमरे लगवाए जाएंगे।
7. बवानी खेड़ा में प्रत्येक वार्ड में गलियां नालियां पक्की करवाई जाएंगी।
8. बवानी खेड़ा में नई सोलर लाईटें लगवाई जाएंगी।
9. बवानी खेड़ा में अनियमित कॉलोनियों को नियमित करवाया जाएगा।
10. बवानी खेड़ा में प्रत्येक वार्ड में शौचालय व सफाई कर्मचारियों की व्यवस्था करवाएंगे।
11. बवानी खेड़ा में आवारा पशुओं की गौशाला / नंदीशाला में स्थाई व्यवस्था की जाएगी।
12. बवानी खेडा में परिवार पहचान पत्र में आने वाले समस्याओं का घर बैठे समाधान होगा।
13. बवानी खेड़ा में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों का मकान बनवाने में सहायता करवाएंगे।
14. बवानी खेड़ा में को नशामुक्त किया जाएगा।
15. बवानी खेड़ा में किसानों के लिए अनाज मंडी की कमियों को दूर करवाया जाएगा।
16. बवानी खेड़ा में सामान्य अस्पताल में चिकित्सकों की कमी को पूरा करवाया जाएगा।
17. बवानी खेड़ा में सामान्य अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन की व्यवस्था करवाई जाएगी।
18. बवानी खेड़ा में रामबागों का सुधारीकरण होगा।
19. सुंदर नहर में किसानों के लिए पानी की व्यवस्था को मजबूत करते हुए दो से तीन सप्ताह की व्यवस्था करवाई जाएगी।
20. बवानी खेड़ा में रेहड़ी चालकों व सब्जीधारकों के लिए स्थाई स्थान निर्धारित किया जाएगा।
21. बवानी खेड़ा में बंदरों की समस्या से छुटकारा दिलवाया जाएगा।
22. बवानी खेड़ा में टैक्सीस्टैंड के लिए स्थाई स्थान निर्धारित किया जाएगा।

खबर संक्षेप

फिल्म निर्माण पर किया इंटरेक्शन सेशन आयोजित

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विवि के मीडिया एवं जनसंचार अध्ययन विभाग द्वारा कुलपति प्रो. दीप्ति धर्माणी के कुशल नेतृत्व एवं कुलसचिव डॉ. भावना शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में सिने फाउंडेशन हरियाणा के साथ विद्यार्थियों को फिल्म निर्माण का कौशल सिखाने के लिए इस इंटरेक्टिव सेशन का आयोजन किया गया । इस अवसर पर सिने फाउंडेशन कि तरफ से आए एक्सपर्ट्स ने हरियाणा फिल्म महोत्सव के पोस्टर का भी विमोचन किया गया।

बढ़ती जा रही बीमारियां और मानसिक समस्याएं

तोशाम। आज समाज में बहुत सी बीमारियां और मानसिक समस्याएं बढ़ती जा रही हैं इसका एक कारण तो फसलों में बढ़ता हुआ दवाइयां, कीटनाशकों व खाद का प्रयोग है दूसरा मुख्य कारण हमारे हारमोंस का असंतुलन है। उक्त शब्द प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा तोशाम के पंचायत भवन में आयोजित रूहानी शिकायत नामक कार्यक्रम में बीके डॉक्टर जमीला ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने कहा कि आज परमात्मा से हमारा कनेक्शन टूट जाने के कारण वह करंट का प्रवाह हमारे अंदर नहीं हो पा रहा है। क्योंकि आत्मा ही शरीर को चलाने वाली ऊर्जा है जब इस ऊर्जा का प्रवाह शरीर के किसी अंग तक नहीं पहुंच पाता तब वह अंग बीमार पड़ जाता है।

नशे से दूर रहते हुए शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी अग्रणी रहें युवा:अखिल

खेलों में नए कीर्तिमान स्थापित कर पहचान बना रहा वैश्य कॉलेज : गुप्ता

- छात्र खिलाड़ी हिमांशु व छात्रा सीमा के नाम रहा बेस्ट एथलीट का खिताब।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में दौड़ स्पर्धा में भाग लेती प्रतिभागी व प्रतियोगिता में लंबी छलांग लगाती एक प्रतिभागी

खेल भारतीय संस्कृति की पहचान है, जो सदियों से भारत की पहचान बनी हुई हैं, विद्यार्थियों को चाहिए कि वो नशे से दूर रहते हुए शिक्षा के साथ-साथ खेलों, स्वास्थ्य ,ध्यान व अध्यात्म में भी अग्रणी रहें, खेल हमारे मानसिक एवं बौद्विक विकास के लिए अहम कड़ी का काम करते हैं।यह बात भीम स्टेडियम में आयोजित वैश्य महाविद्यालय, भिवानी की वार्षिक एथलेटिक मीट एवं खेल पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे अर्जुन पुरस्कार विजेता,पुलिस उपाधीक्षक, अखिल कुमार ने अपने संबोधन में कही।

उन्होनें कहा कि आज अपने महाविद्यालय के खेल समारोह मे आकर अपने विद्यार्थी जीवन की पुरानी यादें ताजा हो गईं । उन्होंने कहा कि प्रदेश का पुलिस विभाग पुलिस महानिदेशक के नेतृत्व में सेवा सुरक्षा सहयोग के नारे को साथ लेकर युवा वर्ग को नशे से बचाकर सामाजिक सामंजस्य बनाने में लगा हुआ है। वैश्य महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष अजय गुप्ता ने कहा कि वैश्य महाविद्यालय शिक्षा के साथ साथ खेलों के क्षेत्र में भी नित नए कीर्तिमान स्थापित कर देश में अपनी अलग पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि यहां के खिलाड़ियों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है जरूरत है तो बस सही प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन की। उन्होंने इस एथलेटिक मीट के आयोजन के लिए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय गोयल एवं उनकी टीम के सभी सदस्यो की सराहना की। आज वैश्य महाविद्यालय, भिवानी की वार्षिक एथलेटिक मीट एवं खेल पुरस्कार वितरण समारोह महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ संजय गोयल, डीन यूथ वेलफेयर प्रो धीरज त्रिखा के नेतृत्व एवं स्पोर्ट्स बोर्ड के चेयरमैन डॉ. सुरेंद्र सिंह एवं स्पोर्ट्स बोर्ड के सदस्यो के मार्गदर्शन में भीम स्टेडियम भिवानी में धूमधाम से आयोजित किया गया। वार्षिक एथलेटिक मीट का उद्घाटन वैश्य महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष अजय गुप्ता,वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के अध्यक्ष एडवोकेट शिवरत्न गुप्ता ,वैश्य महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के महासचिव डॉ.पवन बुवानी वाला, सर्राफ ट्रस्टी विजयकिशन अग्रवाल एवं महाविद्यालय के खेल विभाग के सेवानिवृत्त एसोसिएट प्रोफेसर सुरेश अत्री, प्राचार्य डॉ संजय गोयल एवं खेल इंचार्ज भूपेंद्र भुप्पी द्वारा ध्वजारोहण करके राष्ट्रगान के साथ किया गया। प्रतिभागी खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट निकालते हुए छात्रा संस्कृति ने खेल भावना से खेलने व नशा ना करने की शपथ दिलवाई।

खेल संस्कृति का प्रतीक

वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के अध्यक्ष एडवोकेट शिवरत्न गुप्ता ने कहा कि खेलों से शारीरिक,मानसिक एवं भावनात्मक क्षमता का विकास होता है उन्होंने कहा कि वैश्य महाविद्यालय का इतिहास सदैव गौरवपूर्ण रहा है यहा के विद्यार्थी शिक्षा के साथ साथ खेलों में भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर अपना परचम लहरा रहे हैं। वैश्य महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के महासचिव डॉ.पवन बुवानी वाला ने अपने संबोधन में खेल हमारी संस्कृति का प्रतीक है। युवा वर्ग को शिक्षा के साथ साथ खेलों में भी बढ़चढ़कर भाग लेना चाहिए। जिससे उनके व्यक्तित्व का भी विकास हो सके। वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट के ट्रस्टी विजयकिशन अग्रवाल ने कहा कि युवा वर्ग को शिक्षा के साथ साथ खेलों में भी बढ़चढ़कर भाग लेना चाहिए। जिससे उनके व्यक्तित्व का भी विकास हो सके। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो धीरज त्रिखा ने कहा कि यह सब महाविद्यालय प्रबंध की दूरदर्शी एवं पूर्ण सहयोग का सोच का परिणाम है जोकि आज हमारे महाविद्यालय के खिलाड़ी विश्व स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं।

न्यूज डायरी

खुशी ने पेंचक सिलेट में जीता सिल्वर मेडल

भिवानी। श्रीमती उत्तमीबाई आर्य कन्या विद्यालय की 11वीं कक्षा की छात्रा खुशी ने आगरा के एकलव्य स्पोर्टस स्टेडियम में आयोजित एशमिता खेलो इंडिया पेंचक सिलाट लीग नार्थ जोन प्रतियोगिता में सिल्वर पदक जीतकर विद्यालय को गौरवान्वित किया। प्रतियोगिता 10 से 12 फरवरी तक आयोजित की गई। प्रतियोगिता में कई विद्यार्थियों ने भाग लिया था। छात्रा खुशी के विद्यालय में पहुंचने पर प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष सतप्रकाश गिरधर, सचिव सीपी चावला, आशा अवस्थी, सूक्षा वधवा, प्राचार्या अनीता बासोतिया ने छात्रा खुशी को फूलमाला व उपहार देकर सम्मानित किया।

भिवानी। पहुंचकर कार्यभार ग्रहण करने पर सम्मानित करते हुए।

डीईओ का प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसो. ने किया स्वागत

भिवानी। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी सुभाष चंद्र भारद्वाज ने मंगलवार को जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी भिवानी का कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर प्राइवेट स्कूल वेलफेयर एसोसिएशन, हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष रामअवतार शर्मा के नेतृत्व में एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। प्रदेश अध्यक्ष रामअवतार शर्मा ने सुभाष चंद्र भारद्वाज को शाल उढ़ाकर, बुके व मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया और उन्हें मिठाई खिलाकर उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भिवानी में लंबे समय से जिला शिक्षा अधिकारी का पद रिक्त था और अब सुभाष चंद्र भारद्वाज जैसे अनुभवी व ईमानदार अधिकारी के पदभार ग्रहण करने से शिक्षा क्षेत्र को नई दिशा मिलेगी। उन्होंने भरोसा जताया कि भारद्वाज प्राइवेट स्कूलों के साथ मजबूत समन्वय स्थापित करेंगे और उनकी मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई करेंगे।

महाशिवरात्रि संयम, भक्ति और आत्मशुद्धि का प्रतीक

बवानीखेड़ा। मिलकपुर के आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कक्षा पहली के विद्यार्थियों ने हर हर शंभु भजन पर शानदार नृत्य प्रस्तुत किया, जिसने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम की विशेष प्रस्तुति में छात्र अश्मित ने भगवान शिव और डोलसी ने माता पार्वती की भूमिका निभाई। उनकी अद्भुत अभिनय कला और भाव-भंगिमाओं ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। यह संपूर्ण आयोजन प्राथमिक विभाग की प्रधानाध्यापिका प्रोमिला यादव के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। बच्चों के समर्पण और उत्साह की सभी ने सराहना की। विद्यालय के प्राचार्य नितीश मिश्र ने बच्चों को आशीर्वाद देते हुए भगवान शिव की महिमा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महाशिवरात्रि केवल एक पर्व नहीं, बल्कि संयम, भक्ति और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। इस पावन अवसर पर विद्यालय परिवार ने भक्ति भाव से शिव मंत्रों का जाप किया और महाशिवरात्रि की शुभकामनाएँ दीं। इस अवसर पर स्कूल निदेशक साहिल यादव व अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

प्रतियोगिता में हरियाणा ने मारी बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। विजेताओं को पुरस्कृत करते अतिथि।

गांधियन सोसायटी अमेरिका द्वारा संचालित वैश्विक गांधी वीडियो भाषण प्रतियोगिता में चयनित पचास सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों में हरियाणा के ग्यारह प्रतिभागी शामिल हैं। ग्रामीण विकास मण्डल अध्यक्ष राजेन्द्र कुमार ने बताया कि गांधीजी के जीवन दर्शन, विरासत और मूल्यों पर आधारित प्रतियोगिता में विश्व स्तर पर साढ़े तीन हजार से अधिक लोगों ने पंजीकरण किया। तीन स्तर पर हुई जांच के बाद पचास सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को दस दस हजार रुपये के नकद पुरस्कार के लिए चयन किया है। हरियाणा, राजस्थान और बिहार में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के प्रचार प्रसार का दायित्व निभा रहे। राजेन्द्र यादव ने बताया कि ग्रामीण विकास मंडल द्वारा संचालित अभियान से प्रेरित कुल दो सौ बारह प्रतिभागियों में से ग्यारह हरियाणा और चार बिहार से विजेता बने हैं, जिनमें एमडीएस एकेडमी झोझू कलां से खुशी, श्रीराम पब्लिक स्कूल कान्हड़ा से अंशिका, चिड़िया से जीत कोमल, कुरुक्षेत्र से अनन्या राव और यदुवंशी हांसी से उदित पन्नु, जिज्ञासा, अवि, आर पी एस से रेहान, अनुष्का ने बाजी मारी। उन्होंने बताया कि विजेताओं को गुरुग्राम स्थित कामराह इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में आयोजित समारोह में विजेताओं को दस हजार रुपये का चैक और अंगवस्त्रम भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर सर्वाधिक प्रतिभागियों को प्रेरित करने के लिए ग्रामीण विकास मण्डल उपाध्यक्ष डॉक्टर हरीशचंद्र, सचिव सुनील कुमार, कोषाध्यक्ष रविंद्र सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी जीत कोमल को सर्वश्रेष्ठ संस्था पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। समारोह में गांधीवादी चिंतक बलदेवराज कामराह, उत्तरप्रदेश शासन के पूर्व सचिव अजय पांडे, हरिजन सेवक संघ के सचिव संजय राय, कामराह वर्ल्ड स्कूल प्रिंसीपल डॉ. नीलिमा, श्रीराम पब्लिक स्कूल कान्हड़ा के संचालक अमित जाखड़, पूजा यादव आदि उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों को दिलवाई नशे से दूर रहने की शपथ

भिवानी। युवा जागृति जनकल्याण मिशन ट्रस्ट ने युवाओं को नशे व अन्य सामाजिक बुराbयों से दूर रहने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य मंगलवार को जोहड़ीवाला हनुमान मंदिर में नशा मुक्त युवा-हिंसा मुक्त युवा संकल्प कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन मंदिर के महंत बालयोगी चरणदास महाराज के सान्निध्य में हुआ, जिसमें बतौर मुख्यतिथि कवयित्री रीतू गर्ग एवं विशिष्ट अतिथि उद्योगपति गौरव अग्रवाल ने शिरकत की। इस मौके पर विद्यार्थियों को जल एवं पर्यावरण संरक्षण व स्वच्छता अपनाने तथा नशे से दूर रहने का संकल्प दिलवाया। इस अवसर पर न्यू इंडिया हाई स्कूल के संचालक श्यामसुंदर शर्मा, प्राचार्या सीमा शर्मा, पूनम, किरण, जितेंद्र व आशु वर्मा आदि मौजूद रहे।

37वीं जूनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप में हरियाणा की टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंची

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

कलिंगा स्थित श्रीबालाजी सीनियर सैकेंडरी स्कूल में हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन द्वारा आयोजित करवाई जा रही चार दिवसीय 37वीं जूनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप के तीसरे दिन मंगलवार को विभिन्न प्रदेशों की टीमों के बीच मैच आयोजित हुए। इस दौरान हरियाणा प्रदेश की लड़कों व लड़कियों दोनों ही वर्गों की टीमों ने अपनी बेहतरीन खेल प्रतिभा के दम पर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। प्रतियोगिता के तीसरे दिन नेटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव विजेंद्र सिंह दहिया ने शिरकत की तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर बालाजी स्कूल की संचालिका रेणुका शर्मा, टूर्नामेंट कमेटी के कन्वीर लक्ष्मण, टैक्नीकल कमेटी चेयरमैन अशोक आनंद, टैक्नीकल कमेटी कन्वीर विक्रमादित्य विशेष तौर पर पहुंचे तथा खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन की महासचिव दहिया ने बताया कि 37वीं जूनियर नेशनल नेटबॉल चैंपियनशिप के तीसरे दिन लडक़ों के वर्ग में मध्यप्रदेश की टीम ने पश्चिम बंगाल को 38-21 के अंतर से, पंजाब की टीम ने दिल्ली को 27-17 के अंतर से, हरियाणा की टीम ने हिमाचल प्रदेश को 22-16 के अंतर से, केरला की टीम ने महाराष्ट्र को 23-12 के अंतर से, राजस्थान की टीम ने बिहार को 21-14 के अंतर से, उत्तर प्रदेश की टीम ने छत्तीसगढ़ को 27-27 के अंतर से, चंडीगढ़ की टीम ने तमिलनाडु को 22-18 के अंतर से हराया। वही लड़कियों के वर्ग में हरियाणा ने पश्चिम बंगाल को 24-8 के अंतर से पटकनी दी।

भिवानी। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यअतिथि को सम्मानित करते हुए।

कैरियर प्लैनेट स्कूल में वार्षिकोत्सव मनाया

भिवानी। महम रोड स्थित कैरियर प्लैनेट पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव को शिक्षा महोत्सव के रूप में मनाया गया इस कार्यक्रम में बच्चों ने जमकर धमाल मचाया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के तौर पर उपायुक्त महावीर कौशिक ने शिरकत की व अध्यक्षता हरियाणा प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के प्रधान राम अवतार शर्मा ने की। स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों यतेंद्र नाथ, छोटूराम व संजीव श्योराण ने विशेष सम्मान के साथ मुख्य द्वार से स्कूल प्रांगण तक मुख्य अतिथि की अगवानी की। कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त महावीर कौशिक ने दीप प्रज्ज्वलन व मां सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी उपस्थित अभिभावकों का मन मोह लिया। इसके पश्चात मुख्य अतिथि ने अध्ययन व खेलकूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। समारोह में रिटायर्ड प्रिंसिपल, बच्चों के दादा-दादियों को स्वर्ण पदक व चुनरी भेंट कर मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। प्राचार्या सुमन श्योराण ने बताया कि हर वर्ष स्कूल में वार्षिकोत्सव के दौरान वे बुजुर्गों को सम्मानित किया जाता है। उपायुक्त महावीर कौशिक ने सभी स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों व प्राचार्या सुमन के प्रयासों की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। मुख्य अतिथि ने बच्चों को संबोधित करते हुए उनको शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भाग लेने के लिए भी प्रेरित किया व खेलों के महत्व को भी समझाया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी बुजुर्गों व बच्चे मुख्य अतिथि के हाथों सम्मान पाकर गदगद थे।

विद्यार्थियों ने दी शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

चरखी दादरी। गांव छपार स्थित राजकीय वमा विद्यालय परिसर में वार्षिक उत्सव का आयोजन किया, जिसकी अध्यक्षता प्राचार्य सौरभ कपिल ने की। आयोजन में बतौर मुख्यतिथि प्रमुख समाजसेवी नरदेव, मदनलाल व विद्यालय प्रबंधन समिति प्रधान नरेन्द्र ने शिरकत की। प्राचार्य व स्टाफ सदस्यों ने उन्हें सम्मानित किया। वार्षिक उत्सव के दौरान विद्यालय में अध्ययन कर रहे विद्यार्थियों के बीच पीएमश्री स्कूल में मिल रही सुविधाओं के तहत अनेक तरह की खेलकूद प्रतियोगिताओं को आयोजित करवाया। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम मे बढ़ चढ़कर भाग लिया। नृत्य, गायन, भाषण, कविताएं व अन्य प्रस्तुतियों के जरिए बच्चों ने अपनी प्रतिभा को सभी के सामने रखा। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय आने वाले विद्यार्थियों को मुख्यतिथि ने सम्मानित किया।

शिविर में 31 युवाओं ने रक्तदान कर कमाया पुण्य

भिवानी।भिवानी के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर वंशिका फाउंडेशन ने मंगलवार को चौधरी बंसीलाल नागरिक अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में 31 युवाओं ने रक्तदान किया। शिविर में बतौर मुख्यतिथि शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने शिरकत की, जिन्होंने रक्तदाताओं को बैज लगाकर सम्मानित किया। मुख्यतिथि शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा ने रक्तदाताओं को सम्मानित करते हुए कहा कि रक्तदान शिविर समाज व मानवता की सेवा के लिए सबसे बड़ा दान है। शिविर में अमित डालमिया, गोपाल शर्मा, मनोज, मास्टर रमेश, मास्टर अनिल, भूपेन्द्र, सुभाष, जितेन्द्र, सहित अन्य रक्तदाताओं ने निःस्वार्थ भाव से रक्तदान किया। इस अवसर पर डॉ. मोनिका सांगवान, डॉ. मनीषा रोहिला, नर्सिंग अधिकारी सुभाष देवी, स्टाफ नर्स सुमन, गुंजन, लेब टेक्नीशियन अमित, प्रकाशचंद, वरिष्ठ रक्तदाता नरेंद्र शर्मा व मोहिन खान आदि मौजूद रहे।

नशामुक्त रहने की दिलाई शपथ

भिवानी। महाशिवरात्रि पर्व व नशा मुक्त भारत अभियान के अतंर्गत ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र कादमा-झोझूकलां के तत्वावधान में परमपिता परमात्मा शिव व शंकर की झांकी द्वारा शिव परमात्मा का सत्य परिचय करवाया। मेरा गांव नशा मुक्त गांव अभियान से धनासरी,दगड़ोली व बेरला गांवों में शिव ध्वजारोहण कर नशा मुक्त रहने की शपथ दिलाई। क्षेत्रीय प्रभारी राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी वसुधा बहन ने कहा कि महाशिवरात्रि पर्व पर अपने कड़वे संस्कार, आक, धतूरे समान जहरीले नशों को परमात्मा शिव पर चढ़ा दें, जिससे हमारा जीवन शुद्ध पवित्र निर्मल स्वच्छ बन जाएगा। वसुधा बहन ने कहा की नशे की लत का कारण हमारा जीवन बर्बाद हो जाता है।

सांसद बोली-प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश विकसित प्रगति की राह पर

तोशाम हलका मेरा परिवार, विकास के क्षेत्र में अव्वल बनाने में नहीं छोड़ूगी कोई कसर : किरण

हरिभूमि न्यूज ▶▶|तोशाम

तोशाम। आयोजित कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करती सांसद किरण चौधरी।

राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने कहा है कि तोशाम हलका मेरे घर का परिवार है। हलके को चहुमुखी विकास के क्षेत्र में अव्वल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगी। सांसद किरण चौधरी आज मंगलवार को देवावास, जैणावास, भेरा, सिढाण और मिरान आदि गांवों का दौरा कर जन समस्याएं सुन रही थी। उन्होंने लोगों की समस्याओं से सम्बंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश भी दिए। इस दौरान सांसद किरण चौधरी ने लाखों रूपये के विकास कार्यों की घोषणाएं की। राज्यसभा सदस्य किरण चौधरी ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में व प्रदेश में मुख्यमंत्री नायब सिंह के नेतृत्व में सरकारें किसानों की दिशा में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। वहीं सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए दूरगामी निर्णय कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के देशहित व जनहित के निर्णयों की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति की राह पर है। किरण चौधरी ने कहा कि आज प्रदेश में 24 फसलें एमएसपी पर खरीदी जा रही हैं। प्रदेश सरकार में कैबिनट मंत्री श्रुति चौधरी के पास जल संसाधन, सिंचाई और महिला एवं बाल विकास जैसे अहम विभाग दिए गए हैं। सिंचाई के लिए पानी की कमी नहीं रहेगी, नहरों में टेल तक पानी पंहुचाया जा रहा है। इस दौरान सांसद किरण चौधरी ने गावों में रिटर्निंग वॉल, ढाणियों की बिजली के लिए व रास्तों के निर्माण के लिए, बिजली व्यवस्था के नवीनीकरण, गंदे पानी की निकासी के लिए दिए जाने की घोषणा की। वहीं जलघर के नवीनीकरण के लिए, गलियों के निर्माण, अम्बेडकर भवन व अन्य विकास कार्यों के लिए लाखों की राशि ग्राम पंचायत को दिए जाने की घोषणा की।

200 एकड़ में बड़ा प्रोजेक्ट होगा विकसितः सांगवान

चरखी दादरी। दादरी से भाजपा विधायक सुनील सांगवान ने कहा कि वर्षों से सीसीआई फैक्टरी की करीब 200 एकड़ जमीन पर बड़ा प्रोजेक्टर विकसित होगा। इसके लिए प्रदेश के सीएम नायब सैनी द्वारा केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र लिखा है। ऐसे में इस जमीन पर बड़ा प्रोजेक्ट विकसित होने की उम्मीद जगी है। पूर्व सहकारिता मंत्री सतपाल सांगवान ने भी अपने मंत्री कार्यकाल के दौरान मई 2014 में सीसीआई की जमीन को लेकर बहुत प्रयास कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि उनकी कोशिशों के बाद ही सीसीआई के चेयरमैन और एमडी सीसीआई की जमीन को हरियाणा सरकार को देने को राजी हुए थे, लेकिन 2016 की केंद्रीय कैबिनेट की मीटिंग में फैसले को रोक दिया गया। जून 2022 में पूर्व सीएम मनोहरलाल ने उस समय के कलेक्टर रेट पर जमीन हरियाणा सरकार को ट्रांसफर करने के लिए भी पत्र लिखा गया। विधायक सुनील सांगवान ने बताया कि पिछले दिनों उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और केंद्रीय मंत्री व पूर्व सीएम मनोहरलाल से मुलाकात करते हुए दादरी की करीब 200 एकड़ में स्थित सीसीआई की जमीन पर बड़ा प्रोजेक्ट स्थापित करने की मांग उठाई है।

एचडी स्कूल बिरोहड़ में मनाई महाशिवरात्रि

चरखी दादरी। एचडी विद्यालय बिरोहड़ में महाशिवरात्रि पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया। विद्यालय निदेशक बलराज फौगाट ने बच्चों को संबोधित करते हुए बताया कि साल में दो शिवरात्रि आती हैं, लेकिन फरवरी-मार्च में आने वाली शिवरात्रि महाशिवरात्रि कहलाती है। बताया जाता है कि शिवरात्रि पर भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। उन्होंने बच्चों को भगवान शिव और माता पार्वती के बारे में बताया। विद्यार्थियों ने इस अवसर पर विशेष भावुकता से भगवान शिव की आराधना की और उनके प्रति अपनी श्रद्धा और भक्ति का प्रदर्शन किया। नन्हे-मुन्नों द्वारा दी गई प्रस्तुतियां विशेष आकर्षण का केन्द्र रहीं तथा बच्चों ने शिव, पार्वती, गणेश और कार्तिक आदि की सुंदर झांकियां निकाली।